न्यूक्लियर पॉवर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

(भारत सरकार का उद्यम)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य

21 सितंबर, 2018

एस. के. शर्मा

31वीं वार्षिक आम बैठक

प्रिय शेयरधारकों,

आपकी कंपनी की 31वीं वार्षिक आम बैठक में आप सभी का स्वागत करते हुए मैं अत्यंत हर्ष का अनुभव कर रहा हूं। इस बैठक में उपस्थित होने के लिए मैं, निदेशक मंडल की ओर से आप सभी के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। कार्य निष्पादन व विकास वाले घटकों को गति प्रदान करने की कंपनी की रणनीति को दिए गए आपके समर्पित सहयोग के परिणामस्वरूप किसी एक वित्तीय वर्ष में कंपनी ने अभी तक का सर्वाधिक वाणिज्यिक विद्युत उत्पादन व पूंजीगत व्यय किया है। निरंतर बढ़ती जा रही ऊर्जा की मांग व आवश्यकता को पूरा करने के लिए न्यूक्लियर विद्युत के संवर्धित विनियोजन के माध्यम से जीवाश्म ईंधनों पर उच्च निर्भरता को कम करना एक समसामयिक आवश्यकता है और आपकी कंपनी, इस दिशा में अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत का न्यूक्लियर विद्युत कार्यक्रम परिपक्वता की स्थिति प्राप्त कर चुका है और यह, देश के प्रचुर विद्युत ऊर्जा के स्रोत के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है।

आपकी कंपनी के लिए यह अत्यंत सम्मान का विषय है कि कैगा विद्युत उत्पादन केंद्र की इकाई-1 (केजीएस-1) ने 861 दिनों के निरंतर विद्युत उत्पादन का कीर्तिमान स्थापित किया है। इकाई का यह कार्यनिष्पादन विश्व के श्रेष्ठतम कार्यनिष्पादनों में से एक है।

आपको यह जानकर हर्ष होगा कि काकरापार परमाणु विद्युत केंद्र की दूसरी इकाई (220 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर) ने, नवीकरण एवं आधुनिकीकरण (आर एण्ड एम) कार्यों, जिसमें एन मास कूलेंट चैनल रिप्लेसमेंट (ईएमसीसीआर), एन-मास फीडर रिप्लेसमेंट (ईएमएफआर) व अन्य संरक्षा संबंधी उन्नयन कार्य शामिल हैं, को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के पश्चात गत 17 सितंबर, 2018 को क्रांतिकता हासिल कर ली है। यह कार्य, इसके लिए निर्धारित समय से लगभग साढ़े तीन महिने पहले पूर्ण कर लिया गया है जो अभियांत्रिकी, प्रापण व कमीशनिंग कार्यक्षेत्रों में आपकी कंपनी की सुदृढ़ता की पुन: पुष्टि करता है।

आपकी कंपनी की वित्तीय वर्ष 2017-18 की कार्यनिष्पादन रिपोर्ट व आगामी योजनाओं के बारे में रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए मैं अत्यंत हर्ष का अनुभव कर रहा हूँ। निदेशकगण की रिपोर्ट व सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट एवं भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियों सहित वित्तीय वर्ष 2017-18 के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण आपको पहले ही प्रस्तुत किए जा चुके हैं।

शेयरधारकों के मूल्य संवर्धन की हमारी प्रतिबद्धता तथा चुनौतीपूर्ण वातावरण के बावजूद रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान न्यूक्लियर ऊर्जा के माध्यम से कुल वाणिज्यिक विद्युत उत्पादन वित्तीय वर्ष 2016-17 के 37674 मिलियन यूनिट की तुलना में वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान 38336 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया है जो 662 मिलियन यूनिट अधिक है।

एनपीसीआईएल ने, न केवल न्यूक्लियर, औद्योगिक, अग्निशमन एवं पर्यावरणीय संरक्षा के क्षेत्रों में निरंतर विकास हेतु बल्कि अपने वर्तमान बेड़े के प्रचालन, स्वदेशीकरण एवं भारतीय दाबित भारी पानी रिएक्टरों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि के लिए प्रौद्योगिकी का सफलतापूर्व लाभ उठाया है। वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान नौ इकाइयों ने 90 प्रतिशत से अधिक का उपलब्धता घटक हासिल किया है। इसके साथ ही, आठ इकाइयों ने 300 दिनों से अधिक का निरंतर प्रचालन दर्ज किया है। ये इकाइयां, टीएपीएस-3 (338 दिन), आरएपीएस-3 (580 दिन*), आरएपीएस-4 (340 दिन), आरएपीएस-5 (495 दिन), केजीएस-1 (687 दिन*), केजीएस-2 (385 दिन *), केजीएस-3 (388 दिन *), व केजीएस-4 (550 दिन) हैं। (* आरएपीएस-3, केजीएस-1, केजीएस-2 व केजीएस-3 का प्रचालन 31 मार्च, 2018 के बाद भी जारी रहा है।)

वित्तीय मोर्चे पर, आपकी कंपनी ने प्रचालनों से रु. 12,206 करोड़ का राजस्व अर्जित किया है। कर पूर्व लाभ (पीबीटी) पिछले वित्तीय वर्ष 2016-17 के रु. 3,232 करोड़ की तुलना में रु.4,622 करोड़ रहा है तथा कुल समग्र आय पिछले वित्तीय वर्ष 2016-17 के रु. 2,491 करोड़ की तुलना में रु. 3,614 करोड़ रही है।

वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान, आपकी कंपनी ने रु. 2,241 करोड़ का अंतरिम डिविडेंड भुगतान किया है। पिछले वित्तीय वर्ष 2016-17 के रु. 70 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान, यह डिविडेंड प्रति शेयर रु. 203 रहा है। यह आकलन शेयरों की भारित औसत संख्या के आधार पर किया गया है।

चालू परियोजनाओं के संदर्भ में: 700 मेगावाट प्रत्येक विद्युत क्षमता वाली गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना (जीएचएवीपी) की दो स्वदेश अभिकल्पित दाबित भारी पानी रिएक्टर इकाइयों के लिए, विनियामकीय अनुमति मिलने के पश्चात 24 मार्च, 2018 से खुदाई का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

दिनांक 29 जून, 2017 व दिनांक 23 अक्तूबर, 2017 को क्रमश: कुडनकुलम न्यूक्लियर विद्युत परियोजना (केकेएनपीपी) की इकाई-3 व इकाई-4 की कंक्रीट की पहली भराई (एफपीसी) का कार्य प्रारंभ हो गया है। भारत सरकार ने कुडनकुलम में, दो अन्य इकाइयों 2 x 1000 मेगावाट सा.ज.रि.

अर्थात, केकेएनपीपी- 5 व 6 की स्थापना के लिए जून, 2017 में प्रशासनिक अनुमोदन व वित्तीय संस्वीकृति प्रदान कर दी है।

काकरापार की दो इकाइयों (इकाई-1 व इकाई-2) द्वारा वर्ष 2019 के दौरान प्रचालन प्रारंभ करना निर्धारित है और इसके पश्चात, वर्ष 2020 में राजस्थान की एक इकाई (इकाई-7) प्रचालन प्रारंभ कर देगी।

जैसा कि आप सभी जानते हैं, भारत सरकार द्वारा जून, 2017 को फ्लीट मोड में 700 मेगावाट विद्युत क्षमता वाले 10 स्वदेशी दाबित भारी पानी रिएक्टरों के निर्माण हेतु प्रशासनिक अनुमोदन एवं वित्तीय संस्वीकृति जारी कर दी थी। वर्तमान में, एनपीसीआईएल फ्लीट मोड में इन दाबित भारी पानी रिएक्टरों के परियोजना-पूर्व कार्यकलापों (जिसमें भूमि-अर्जन, अभिकल्पन, प्रापण, विनियामकीय व सांविधिक अनुमतियां प्राप्तकरना, स्थल आधारभूत ढांचे की स्थापना आदि शामिल है) को तेजी से पूर्ण करने के लिए प्रयासरत है ताकि पहले रिएक्टर के लिए कंक्रीट की पहली भराई का लक्ष्य वर्ष 2020 में प्राप्त किया जा सके। इन फ्लीट रिएक्टरों के लिए दीर्घकालिक सुपुर्दगी वाले उपकरणों का प्रापण पहले ही प्रारंभ किया जा चुका है।

जैतापुर न्यूक्लियर विद्युत परियोजना (जेएनपीपी) के लिए एनपीसीआईएल व ईडीएफ, फ्रांस के बीच '' इंडस्ट्रियल वे फॉरवर्ड एग्रीमेंट (आईडब्ल्यूएफए)'' पर गत 10 मार्च, 2018 को हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। वेंडर देशों के साथ विभिन्न तकनीकी-वाणिज्यिक चर्चाएं प्रगति पर हैं।

एनपीसीआईएल, उत्पादन मांग या परियोजना समय-सारणी की तुलना में न्यूक्लियर, रेडियोधर्मी, औद्योगिक, अग्निशमन एवं पर्यावरणीय संरक्षा को सर्वाधिक महत्व देता है। ''संरक्षा सर्वप्रथम'' की अपनी नीति पर कायम रहते हुए और संरक्षा के उच्चतम मानदण्डों को बनाए रखते हुए, विभिन्न न्यूक्लियर विद्युत संयंत्रों (एनपीपी) में कार्यरत कंपनी के कर्मचारियों के व्यावसायिक उद्भासन को एईआरबी द्वारा विहित सीमा से काफी नीचे बनाए रखा गया है। कंपनी के न्यूक्लियर विद्युत संयंत्रों (एनपीपी) ने 31 मार्च, 2018 तक कुल 478 रिएक्टर वर्षों का सुरक्षित, विश्वसनीय व दुर्घटना मुक्त प्रचालन पूर्ण कर लिया है।

संरक्षा, राजभाषा कार्यान्वयन, निगम सामाजिक उत्तरदायित्व(सीएसआर) व जन-जागरूकता कार्यक्रम आदि विविध क्षेत्रों में एनपीसीआईएल को विभिन्न संगठनों/एजेंसियों से अनेक राज्यस्तरीय, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। ये सम्मान, कंपनी के सभी कर्मचारियों के निष्ठापूर्ण एवं समर्पित प्रयासों का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

कर्मचारीगण, कंपनी की आत्मा होते हैं और उनका कार्यनिष्पादन उनकी प्रतिबद्धता से चालित होता है। हमारे संगठन की सर्वाधिक महत्वपूर्ण परिसंपत्ति मानव संसाधन है और प्रशिक्षण एवं कौशल विकास के माध्यम से हमारे ज्ञान भंडार में संवर्धन के कारण मानव संसाधन के कार्यनिष्पादन वर्ष दर वर्ष बेहतर होता गया है। वर्तमान एवं आगामी विस्तार आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु संगठन के कर्मचारियों के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण सक्षमता विकास को नियोजित शिक्षण कार्यकलापों के माध्यम से क्रियान्वित किया जा रहा है।

निगम सामाजिक उत्तरदायित्व व वहनीय विकास प्रयासों को कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुरूप पूरा किया जा रहा है। इन प्रयासों को एनपीसीआईएल की सभी इकाइयों के निकटवर्ती क्षेत्रों के शिक्षा, स्वास्थ्य-सुश्रुषा, आधारभूत ढांचा व कौशल विकास के क्षेत्रों में क्रियान्वित किया जा रहा है। राष्ट्रीय हित की सामाजिक योजनाओं स्वच्छ भारत कोष व गंगा सफाई परियोजना में भी अंशदान दिए गए हैं।

कंपनी, सांविधिक आवश्यकताओं को पूरा करने व अपने प्रबंधन को पारदर्शी एवं संस्थागत रूप से चुस्त-दुरुस्तरखने के लिए प्रणालियों व प्रक्रियाओं की स्थापना की दिशा में निरंतर प्रयासरत रहती है। श्रेष्ठ निगम अभिशासन पद्धतियां सदैव एनपीसीआईएल की मूल्य-प्रणाली के केंद्र में रहती हैं। मैं यह पुष्टि भी करना चाहता हूँ कि कंपनी ने सक्षम प्राधिकारियों द्वारा जारी निगम अभिशासन दिशानिर्देशों का अनुपालन किया है।

अंत में, कंपनी की ओर से, मैं सभी शेयरधारकों का उनके विश्वास व सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूं और कंपनी को उच्चतर ऊंचाइयों की ओर ले जाने के लिए आगे भी इसी प्रकार के सहयोग की आशा करता हूं।

(सतीश कुमार शर्मा)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : मुंबई
तारीख: 21 सितंबर, 2018